VINDHYA
HERBALS

Health from nature's wild wealth

दुर्लभ जड़ी बूटियों से निर्मित आयुर्वेदिक औषधि

विन्ध्य हर्बल्स
पशु उपचार उत्पाद श्रृंखला

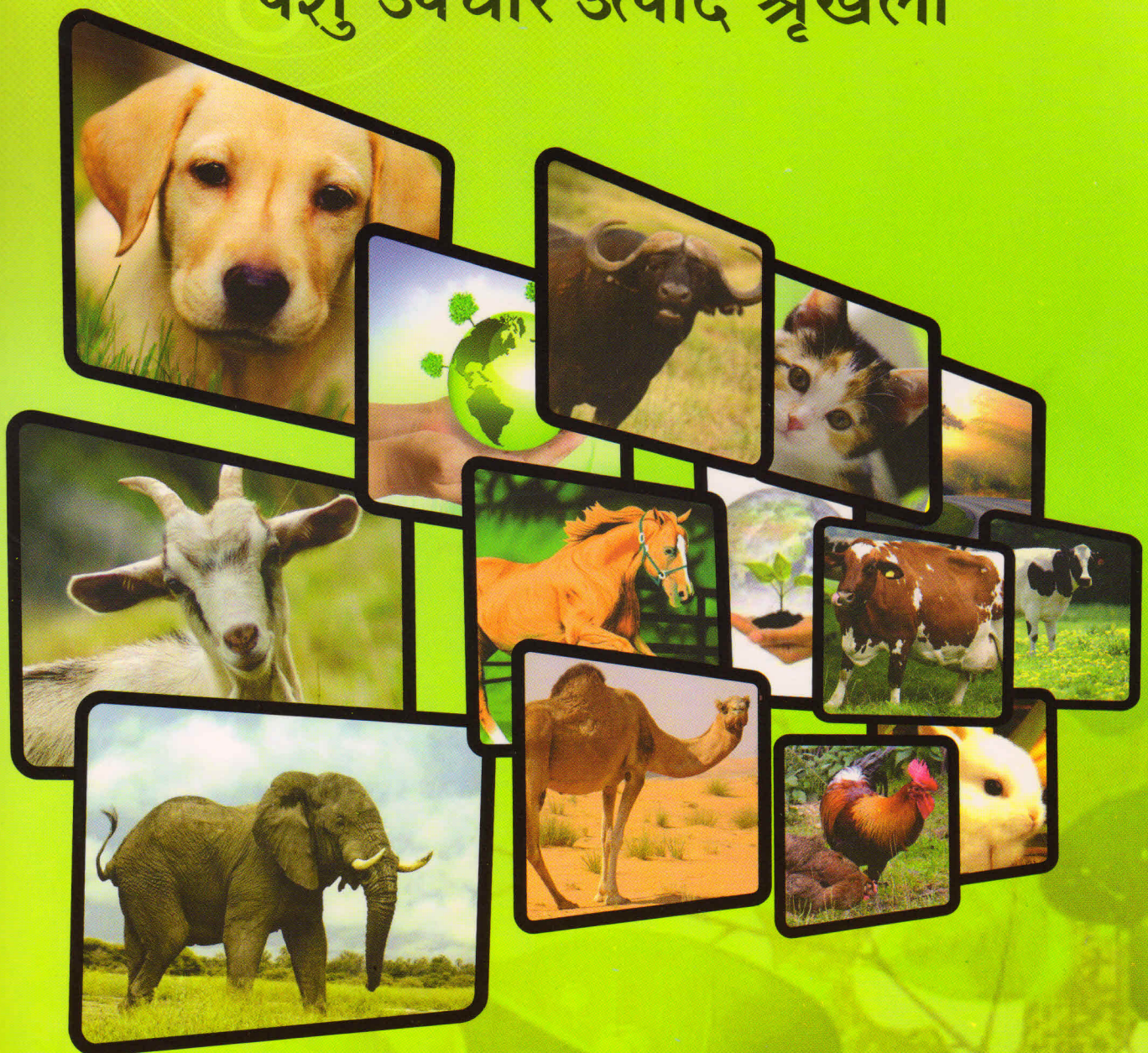

मध्यप्रदेश राज्य लघुवनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित
खेल परिसर, इंदिरा निकुंज, 74 बंगले, भोपाल - 462003
फोन : 0755-2674202, फैक्स : 0755-2552628

VINDHYA HERBALS
Health from nature's wild wealth
दुर्लभ जड़ी बूटियों से निर्मित आयुर्वेदिक औषधि

पशु स्वास्थ्य समाधान

औषधि	घटक प्रति 1 Kg.	रोगाधिकार	उपयोग	खुराक मात्रा
विन्ध्य डायजेस्टो वेट चूर्ण	त्रिफला-100, त्रिकटु-30 ग्राम, वायविडंग-30 ग्राम, नागरमोथा-50 ग्राम, बेल-30 ग्राम, जीरा-20 ग्राम, अजवाईन-20 ग्राम, अजमोद-10 ग्राम, सेंधा नमक-25 ग्राम, बिड नमक-25 ग्राम, वच-30 ग्राम, धनिया-30 ग्राम, ईन्द्र जौ-30 ग्राम, कुटज छाल-30 ग्राम, हिंग-10 ग्राम, गिलोय-30 ग्राम, अमलताश गुदा-50 ग्राम, भृंगराज-50 ग्राम, सनायपत्ती-50ग्राम, सौंफ-50 ग्राम, चक्रमर्द बीज-50 ग्राम, वायविडंग-50 ग्राम, चित्रक -10 ग्राम, शतावरी-100, गन्ने की जड़-100 ग्राम।	अरूचि, अग्निमांद्य, कुपचन, गैस, अजीर्ण, पाण्डू, अफरा,दर्द युक्त अफदा, दर्द युक्त ऐंठन, मलावरोध, मुंह पाक,मुंह में छाले होना, मुंह से झागदार लार का बहना, गेस्टिक अल्सर,बार-बार वायु युक्त पखाना	• यह आमाशय एवं आंत्र में संग्रहित वायु को दूर करता है, उद्शूल का शमन करता । • पाचक रस का स्त्राव अधिक कराता है और कीटाणुओं को नष्ट कर देता है। • यह यकृत, प्लीहा को सबल बनाता है तथा पित्त स्त्राव को बढाता है जिससे आमाशय तथा आंतो की पाचन किया को बढाता है। • यह चूर्ण पतला मल त्याग करने वाले पशुओं को देने पर मल को बांधता है। • यह एण्टी-स्पासमोटिक, एण्टी-बैक्टीरियल तथा एण्टी-फंगल है। • हीम आमाशय से पाचक रसों के स्त्रावों को बढाता है। पाचन किया को सहीकरता है।	ऊंट एवं हाथी - 100 ग्राम बड़े पशुओं के लिए-50 ग्राम छोटे पशुओं के लिए-15 ग्राम गाय - 50 ग्राम भैंस - 50 ग्राम कुत्ता - 3 से 6 ग्राम बिल्ली - 1 से 3 ग्राम बकरी - 3 से 6 ग्राम
विन्ध्य कफ वेट चूर्ण	सौंठ-50 ग्राम, कालीमिर्च-50 ग्राम, पिप्पली-50 ग्राम, भरंगी-100 ग्राम, अडूसा-200 ग्राम, गिलोय-200 ग्राम, शुद्ध टंकण-50 ग्राम, मुलेठी-50 ग्राम,तुलसी-200 ग्राम, हल्दी-100 ग्राम।	स्वरयंत्रशोथ, टेंटुआ शोथ, ऐसे रोग जिसमें सिर नीचे कर मूंह से जोर-जोर से श्वास लेना। गर्दन की गांठो का अत्यधिक बढना। आहार से अरूचि, नाभ से गाढ़ा पीला स्त्राव, वृद्ध पशुओं में खासी। श्वास-कास, हिक्का, नज़ला, ज्वर, अरूचि, नाक से खून बहना, आवाज का बदलना।	• सौंठ, कालीमिर्च, पिप्पली उष्ण औषधि है जो कफ का शमन करती है तथा अग्नि को प्रदीप्त करती है। • यह पशुओं में होने वाले कास-श्वास को ठीक करता है। • यह पशुओं में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढाता है। • यह अग्नि को प्रदीप्त करता है तथा श्वास कास के साथ होने वाले बुखार को भी ठीक करता है।	ऊंटनी एवं हथिनी- 100 ग्राम बड़े पशओं के लिए- 50 ग्राम छोटे पशुओं के लिए-15 ग्राम दिन में दो बार पानी के साथ देवें। गाय - 50 ग्राम भैंस - 50 ग्राम कुत्ता - 3 से 6 ग्राम बिल्ली - 1 से 3 ग्राम बकरी - 3 से 6 ग्राम
विन्ध्य एंटी डायरो चूर्ण	बरगद छाल-50 ग्राम, पीपल छाल-50 ग्राम, गूलर छाल-50 ग्राम, भारंगी छाल-50 ग्राम, विजयसार-50 ग्राम, धवई फूल-100 ग्राम, हरड़-100 ग्राम, बहेड़ा-100 ग्राम, आंवला-100 ग्राम, पठानीलोध-50 ग्राम, हल्दी-50 ग्राम, शुद्ध गुग्गुलु-50 ग्राम, अर्जुन छाल -50 ग्राम, कपूर-50 ग्राम, कुटज- 100 ग्राम।	अतिसार, रक्तातिसार, पेचिस, उदरशूल।	• यह कुटज प्रधान औषधि है जो अतिसार तथा रक्तातिसार के लिये आयुर्वेद में वर्णित श्रेष्ठ औषधियों में से एक है। • बरगद, पीपल तथा गूलर की छाल स्तम्भक होने के कारण यह मल को बांधता है तथा आंतो में होने वाले छालों को भी भरता है। • कपूर एण्टी बैक्टीरियल तथा एण्टी स्पास्मोडिक होने के कारण उदरशूल में लाभदायक होता है। • धवई फूल कषाय रस होने से आंतो के स्त्राव को कम करता है। तथा मल का शोधन करता है। सुस्त होना, लगातार वजन कम होना। • कभी पतला तथा कभी गाढ़ा मल होना। • खाना-पीना छोड़े तथा जुगाली न करें। • दुग्ध की मात्रा कम होना।	ऊंट एवं हाथी - 100 ग्राम बड़े पशओं के लिए- 50 ग्राम छोटे पशुओं के लिए-15 ग्राम दिन में दो बार पानी के साथ देवें। गाय - 50 ग्राम भैंस - 50 ग्राम कुत्ता - 3 से 6 ग्राम बिल्ली - 1 से 3 ग्राम बकरी - 3 से 6 ग्राम
विन्ध्य लैक्टो वेट चूर्ण	अश्वगंधा-125 ग्राम, शतावरी-125 ग्राम,विदारीकन्द 100 ग्राम, तिल्ली-100 ग्राम, सौंठ-50 ग्राम,बेल-100 ग्राम, मुलेठी-100 ग्राम, उड़द दाल-100 ग्राम, बला-100 ग्राम, गोक्षुर-100 ग्राम।	कमजोरी, दूध की मात्रा में वृद्धि, प्रसव काल में लाभकारी।	• यह पशुओं में दुग्ध की मात्रा बढाता है तथा इसकी गुणवत्ता को भी सुधारता है। • यह लेक्टीफेरस ग्रंथी को उत्तेजित करता है। • यह पशुओं के स्वास्थ्य को बढाता है तथा दूध पीने वाले बछड़ों के शारीरिक विकास में सहायक होता है। • यह दूध गो गाढा करता है तथा वसा की मात्रा 5 से 10 प्रतिशत बढाता है। • यह गर्भवती पशुओं के लिये अत्यन्त लाभदायक है। गर्भस्थ शिशु के विकास में लाभदायक है। • पशुओं में प्रसवोत्तर होने वाले रोगों तथा जटिलताओं से बचाता है। • लगातार इसका सेवन कराने से बांझ पशुओं में लाभ होता है।	ऊंट एवं हाथी - 100 ग्राम बड़े पशओं के लिए- 50 ग्राम छोटे पशुओं के लिए-15 ग्राम दिन में दो बार पानी के साथ देवें। गाय - 50 ग्राम भैंस - 50 ग्राम कुत्ता - 3 से 6 ग्राम बिल्ली - 1 से 3 ग्राम बकरी - 3 से 6 ग्राम

VINDHYA HERBALS

Health from nature's wild wealth

दुर्लभ जड़ी बूटियों से निर्मित आयुर्वेदिक औषधि

पशु स्वास्थ्य समाधान

औषधि	घटक प्रति 1 Kg.	रोगाधिकार	उपयोग	खुराक मात्रा
विन्ध्य सेप्टो वेट चूर्ण	शुद्ध गंधक-50 ग्राम, नीम पंचांग-100 ग्राम, पलाश बीज-50 ग्राम, करंज बीज-50 ग्राम, वायबिडंग-100 ग्राम, व्यामपुष्प-100 ग्राम, हरड़-100 ग्राम, कुटकी-100 ग्राम, काला जीरा-100 ग्राम, सनायपत्ती-100 ग्राम, हिंगोट-50 ग्राम, अजवाईन-50 ग्राम, सौंफ-50 ग्राम।	बुखार, गर्दन नीचे रखना, चर्मरोग, संक्रमण, गलघोटू, सूजन, आंत, खूनीदस्त, लगातार लम्बे समय से खांसी आना।	• झागदार दस्त करना • इस उपयोग वर्षा ऋतु में करने से पशुओं में होन वाले गलघोटू रोग से रक्षा में सहायक होता है। • गंधक समस्त त्वक विकार को दूर करता है। • कब्ज़ के साथ त्वक विकार को दूर करता है। • पलाश विडंग समस्त कृमि रोगों को ठीक करता है तथा त्वचा रोगों को दूर कर त्वचा को निखारता है। • पशुओं के खुर में होने वाले संक्रमण में भी यह उपयोगी है। • इसका सेवन कराने से ज्वर, उदरोग जैसी व्याधियां शीघ्र ठीक हो जाती है। • विडंग एक कृष्ठग्न औषधि है। • कुटकी यकृत, प्लीहा तथा रक्तशोधक है। यह रक्त को शुद्ध करता है तथा त्वचा रोग में लाभ पहुंचाता है।	ऊंट एवं हाथी - 100 ग्राम बड़े पशुओं के लिए-50 ग्राम छोटे पशुओं के लिए-15 ग्राम गाय - 50 ग्राम भैंस - 50 ग्राम कुत्ता - 3 से 6 ग्राम बिल्ली - 1 से 3 ग्राम बकरी - 3 से 6 ग्राम
	घटक प्रति 1 ग्राम (प्रत्येक औषधि मिलीग्राम में)			
विन्ध्य युरिनो वेट टेबलेट	कपूर-25 , वच घनसत्व-25, नागरमोथा घनसत्व-25 , चिरायता घनसत्व-25 , गिलोय घनसत्व-25 , देवदारू घनसत्व-25 , हल्दी घनसत्व-25 , अतीस घनसत्व-25 , दारूहल्दी घनसत्व-25 , पीपलामूल घनसत्व-25 , चित्रक घनसत्व-25 , धनिया घनसत्व-25 , त्रिफला घनसत्व-25 , चव्य घनसत्व-25 , वायबिडंग घनसत्व-25 , गजपीपल सौंठ-25, काली मिर्च-25, पिप्पली - 25, सर्जीक्षार - 25, घनसत्व-25,जवाखार-25, सेंधा नमक-25,काला नमक-25, काली निसौत घनसत्व-25,दन्तीमुल घनसत्व-25,तेजपत्र घनसत्व-25, दालचीनी घनसत्व-25 ,छोटी इलायची घनसत्व-25 , वंशलोचन-25 , शुद्ध शिलाजीत-75,शुद्ध गुग्गुलु-100 , गोखरू घनसत्व-100 ।	पेशाब का रूकना, खूनी पेशाब, पथरी, अनियंत्रित मूत्र प्रवाह, हीमोग्लोबिनुरिया, यूरेमिया, शरीर में सूजन होना, दर्द गर्भ स्त्राव, बहुमूत्रता, मूत्रकृच्छता, शोथ, दर्द, गर्भस्त्राव, लालमेह(रक्तवर्ण का मूत्र आना)	• यह मूत्रकृच्छ की सर्वप्रधान औषधि है। इसमें कपूर, गोखरू, गुग्गुलु के होने से मुत्र-स्त्राव को बढाता है तथा वहां के संक्रमण को कम करता है। • पशुओं के गर्भाशय का अशक्ति से गर्भस्थ शिशु के बार-बार गर्भस्त्राव होने की स्थिति में इस औषधि का सेवन गर्भधारण के बाद प्रसव होने तक सेवन कराया जा सकता है। • ग्रीष्मादि ऋतुओं में लालमेह होने पर इस औषधि का सेवन हरिद्रा के काढे के साथ कराया जाना चाहिए । • सज्जीखार तथा जवाखार शीतगुण युक्त होते है। मूत्र संस्थान पर अपना प्रभाव विशेष रूप से दिखाते है।	ऊंट एवं हाथी : 60-100 टेबलेट बड़े पशुओं के लिए: 40-60 टेबलेट छोटे पशुओं के लिए: 20-40 टेबलेट दिन दो बार पानी के साथ देवें। गाय - 50 ग्राम भैंस - 50 ग्राम कुत्ता - 3 से 6 ग्राम बिल्ली - 1 से 3 ग्राम बकरी - 3 से 6 ग्राम
विन्ध्य हिंग्वाष्टक वेट चूर्ण	सौंठ-125 ग्राम, पिप्पली-125 ग्राम, कालीमिर्च-125 ग्राम, काला जीरा-125 ग्राम, हिंग-125 ग्राम, अजमोद-125 ग्राम, जीरा-125 ग्राम, सेंधा नमक-125 ग्राम।	अरूचि, अग्निमांद्य, उदरशूल, गैस।	• यह हींग प्रधान औषधि है जो आमाशय तथा आंतो के स्त्राव को बढाता है तथा संग्रहित वायु को दूर करता है। • पाचक रसों के स्त्राव को बढाता है तथा कीटाणुओं को दूर करता है। यह अन्न का पाचन शीघ्र कराता है। • अतिसार होने पर इसका सेवन कराने से दस्त बंद होते है तथा उदरशूल कम होता है। • पिप्पली, सौंठ, कालीमिर्च, अग्नि प्रदीपक होती है। • अजमोदा आमपाचक है तथा गैस को दूर करता है।	ऊंट एवं हाथी - 100 ग्राम बड़े पशओं के लिए- 50 ग्राम छोटे पशुओं के लिए-15 ग्राम दिन में दो बार पानी के साथ देवें। गाय - 50 ग्राम भैंस - 50 ग्राम कुत्ता - 3 से 6 ग्राम बिल्ली - 1 से 3 ग्राम बकरी - 3 से 6 ग्राम
	घटक प्रति 250 ग्राम में			
विन्ध्य डर्मो वेट क्रीम	नीम तेल-50 मि.ली., करंज तेल-50 मि.ली., जात्यादि तेल - 50 मि.ली., हरताल - 50 ग्राम, मोम - 50 ग्राम।	एक्जिमा, फंगल इन्फेक्शन, खुजली, घाव, त्वचा पर चकते, खुर के घाव।	• जात्यादि तेल के कारण पशुओं में होने वाले घावों को ठीक करता है। • नीम तेल तथा करंज तेल होने से त्वचा रोगों में होने वाले संक्रमणों से बचाता है तथा घावों को शीघ्र भरता है। • मोम के कारण घावों को मृदु बनाता है तथा घावों को भरता है। • हरताल एक रसौषधि है जिसे आयुर्वेद में श्रेष्ठ कृष्ठघ्न औषधि माना गया है। यह अच्छी वणशोधक तथा समस्त दाद, खाद, खुजली एवं घावों को शीघ्र ठीक करता है तथा मवाद नहीं बनने देता है।	संक्रमित जगह को गरम पानी अथव नीम के काढे से अच्छी तरह साफ कर औषधि को प्रभावित जगह पर लगायें। केवल बाहरी उपयोग हेतु। गाय - 50 ग्राम भैंस - 50 ग्राम कुत्ता - 3 से 6 ग्राम बिल्ली - 1 से 3 ग्राम बकरी - 3 से 6 ग्राम

VINDHYA
HERBALS

Health from nature's wild wealth

दुर्लभ जड़ी बूटियों से निर्मित आयुर्वेदिक औषधि

MFP-PARC
HOUSE OF VINDHAY HERBALS

लघुवनोपज प्रसंस्करण एवं अनुसंधान केन्द्र (एम.एफ.पी.पार्क)
वन परिसर, बरखेड़ा पठानी, भोपाल - 462021
फोन : 0755-2417670, फैक्स : 0755-2417670
ईमेल : mfpparc@gmail.com,mfp_parc@rediffmail.com

Shreya Offset-9425008787